हिंदी दैनिक

# उदय समाचार

एक नई सोच

वर्ष : 01 अंक : 188 कानपुर, बुधवार 6 जुलाई 2022 पृष्ठ :4 मूल्य : 2 रूपये

■ **कानपुर डबल मर्डर- पति-पत्नी की हत्या का कुछ घंटे में सनसनीखेज खुलासा, बेटी ही निकली कातिल**

## पीएम मोदी 7 जुलाई को जाएंगे वाराणसी, 1800 करोड़ की परियोजनाओं की देंगे सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 7 जुलाई को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी 1800 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। ये परियोजनाएं बुनियादी ढांचों को दुरुस्त करने और जीवन को सुगम बनाने से जुड़ी हैं। साथ ही पीएम मोदी रुद्राक्ष कनवेंशन सेंटर का भी दौरा करेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री यहां एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। आपको बता दें कि विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार प्रधानमंत्री मोदी काशी पहुंच रहे हैं। पीएम के प्रस्तावित दौरे के लिए प्रशासन की तैयारियों के बीच लोकार्पण व शिलान्यास होने वाली परियोजनाओं की सूची शासन को भेज दी गई है। पुलिस लाइन से रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर व सिगरा स्थित संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम व काशी विश्वनाथ मंदिर तक पीएम मोदी के सड़क मार्ग के दौरे को लेकर कमिश्नरेट पुलिस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के लिए सात से नौ जुलाई के लिए रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर की बुकिंग रोकी गई है। शुरुआत जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सात जुलाई को सुबह साढ़े दस बजे बाबतपुर आएंगे। यहां से हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन हेलीपैड पर उतरेंगे। इसके बाद सड़क मार्ग से सिगरा स्टेडियम पहुंचेंगे।

पहले किस कार्यक्रम में भाग लेंगे, यह मिनट–टू–मिनट कार्यक्रम में तय होगा। प्रधानमंत्री शाम करीब 4.30 बजे नई दिल्ली लौट जाएंगे। पीएम मोदी बाबतपुर एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन आएंगे और यहां से सड़क मार्ग से कटिंग मेमोरियल स्थित अक्षय पात्र फाउंडेशन के किचन का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर में नई शिक्षा नीति पर देशभर के कुलपतियों और आईआईटी निदेशकों सहित अन्य लोगों को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में देशभर के करीब 350 से ज्यादा शिक्षाविद शामिल होंगे। इसके बाद वे सिगरा स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम जाएंगे और यहां से काशी विश्वनाथ मंदिर में जटाजूट का अभिषेक करेंगे।

## मुख्यमंत्री ने धर्मनगरी से की पौधरोपण अभियान की शुरुआत, कहा– प्रकृति की रक्षा सबकी जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को धर्मनगरी चित्रकूट पहुंचे। सीएम ने जिले में हरिशंकरी प्रजाति का पौधा रोप कर प्रदेश के वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के बीहड़ इलाके के शहरीन गांव में कोदंड वन क्षेत्र में पौधरोपण किया। सीएम के साथ प्रदेश के राज्य मंत्री अरुण सक्सेना, सांसद व विधायकों ने भी पौध रोपण किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज की सबसे बड़ी समस्या ग्लोबल वार्मिंग है। हर इंसान को प्रकृति की रक्षा करने के लिए पौधरोपण करना जरूरी है। चित्रकूट की धरती से यह संदेश पूरे प्रदेश वासियों को दिया गया है कि पर्यावरण संरक्षण से ही मानव प्रजाति सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड से जल्द ही प्रयागराज, लखनऊ और वाराणसी के लिए हवाई यात्रा शुरू होने वाली है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे के निर्माण से बुंदेलखंड के लोगों का भला होगा। क्षेत्र का विकास होगा। राजापुर स्थित महाकवि तुलसीदास की जन्मस्थली और लालापुर स्थित महर्षि वाल्मीकि स्थली का सर्वांगीण विकास प्रदेश सरकार करा रही है। लालापुर में रोपवे भी बनवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही जल जीवन मिशन योजना के तहत जिले के लोगों को घर–घर शुद्ध पेयजल मिलेगा। हाई स्कूल की टॉपर के अलावा पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वालों और सरकारी योजनाओं के 10 पात्रों को मुख्यमंत्री ने मंच से सम्मानित किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 28 योजनाओं का शिलान्यास और 15 योजनाओं का लोकार्पण भी किया। चित्रकूट से मुख्यमंत्री सीधे वाराणसी के लिए रवाना हो गए।

## तुम मत टूटना, शिवसेना में टूट के बीच आप विधायकों से बोले अरविंद केजरीवाल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को एमसीडी चुनाव कराए जाने की मांग लेकर विधानसभा में लाए गए प्रस्ताव पर अपनी बात रखते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र में शिवसेना की टूट की ओर इशारा करते हुए कहा कि उन्होंने सबको तोड़ लिया, पूरा देश आम आदमी पार्टी की ओर देख रहा है। अरविंद केजरीवाल ने महाराष्ट्र या शिवसेना का नाम लिए बिना कहा, पूरे देश के अंदर आज एक एक करके सारी पार्टियां टूटी जा रही हैं। सारी पार्टयां झुकती जा रही हैं। सारी पार्टियां गरिती जा रही हैं। इन्होंने सबको तोड़ लिया। पूरा देश आम आदमी पार्टी की ओर देख रहा है। केवल आम आदमी पार्टी है, जिससे इनकी पैंट गीली होती है। केवल आम आदमी पार्टी है जिससे इनके टॉप के दोनों नेता डरते हैं। तुम सारे मत टूटना (आप विधायकों की ओर इशारा करते हुए) किसी भी हालत में। माना जा रहा है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने यह बातें महाराष्ट्र में शिवसेना में हुई टूट के संदर्भ में कहीं। एकनाथ शिंदे ने शिवसेना के 39 विधायकों के साथ बगावत करके भाजपा के साथ मिलकर सरकार बना ली है। विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने ईडी और दूसरी जांच एजेंसियों का डर दिखाकर शिवसेना के दो टुकड़े कर दिए। हार की डर से एमसीडी चुनाव नहीं कराए जाने का आरोप लगाते हुए अरविंद केजरीवाल ने उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, अभी उदयपुर में बड़ी दर्दनाक घटना हुई, जिसमें दो लोगों ने एक आदमी का सरेआम गला काट दिया। बड़ी गंदी, दर्दनाक घटना है। हम लोगों ने कड़ी निंदा की। हमने मांग की कि दोषियों को कड़ी सजा दी। जब पुलिस दोषियों को पकड़ने गई तो अखबारों, सोशल मीडिया से पता चला कि जिन दो लोगों ने कत्ल किया था उनमें से एक भाजपा नेता था। जम्मू में दो दिन पहले लश्कर का बड़ा आतंकी पकड़ा गया, बताते हैं कि वह भाजपा का वरिष्ठ नेता था। आप लोग गूगल करना, रेपिस्ट इन बीजेपी। बहुत लंबी लिस्ट आती है। मैंने कइयों की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहते थे कि बीजेपी लुच्चे–लफंगे, गुंडे, मवाली, बलात्कारियों की पार्टी है। अब इसमें आतंकवादी भी शामिल हो रहे हैं।

## भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा– राजधानी में बनेगा श्रीराम संग्रहालय

भोपाल में भगवान श्रीराम का संग्रहालय बनाया जाएगा। यह भगवान राम और रामचरित मानस के प्रसंग पर आधारित होगा ताकि व्यक्ति उसे देखकर रामचरित मानस को समझें और आत्मसात भी करें। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को भोपाल में तुलसी मानस प्रतिष्ठान की प्रबंध कार्यकारिणी समिति की बैठक के बाद कही। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठान भगवान श्रीराम और उनके आदर्शों से जुड़े हुए प्रसंग, परंपराएं, जीवन मूल्य, संस्कृति और संस्कार के प्रचार– प्रसार करने का काम कर रहा है। अयोध्या कांड पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, ताकि बच्चे राम चरित्र मानस पढ़ें, समझें और भगवान राम के चरित्र के बारे में जानें , आत्मसात करके उस रास्ते पर चलने की कोशिश करें। प्रतिष्ठान ने यह भी तय किया है कि निबंध प्रतियोगिता के जो विजेता होंगे, उन्हें अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर के दर्शन कराने के लिए ले जाया जाएगा।

## डिप्टी सीएम बनने के बाद पहली बार नागपुर पहुंचे देवेंद्र फडणवीस, लोगों का व्यक्त किया आभार

एक सप्ताह से ज्यादा समय तक महाराष्ट्र में चले सियासी ड्रामे के बाद पांच दिन पहले एकनाथ शिंदे ने सीएम पद की तो पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी। राज्य के डिप्टी सीएम बनने के बाद मंगलवार को पहली बार देवेंद्र फडणवीस नागपुर पहुंचे।

शहर पहुंचने पर भाजपा के स्थानीय नेताओं के साथ ही नगरवासियों ने अपने नेता का जोरदार स्वागत किया। जानकारी के मुताबिक, देवेंद्र फडणवीस मंगलवार सुबह 10 बजे डॉ बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नागपुर पहुंचे। यहां उनका अभिनंदन करने के लिए भाजपा के स्वयंसेवक बड़ी संख्या में हवाईअड्डे पर मौजूद थे, जिन्होंने बड़ी गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। हवाई अड्डे से उन्होंने रोड शो किया। रोड शो के बाद उन्होंने कहा कि नागपुर के लोगों ने मुझे हमेशा प्यार दिया है और मुझे 5 बार चुना है।

आज मैं उपमुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार नागपुर आया हूं। जो लोग मेरे प्रति अपना प्यार दिखाने आए हैं, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।

## अखिलेश ने राजभर को दिखाया आइना, बोले- सपा को किसी की सलाह की जरूरत नहीं

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सपा और बहुजन समाज पार्टी के साथ मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की अपने सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की सलाह को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा कि सपा को किसी की सलाह की जरूरत नहीं है। बता दें कि विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद से ही ओपी राजभर, अखिलेश को सलाह दे रहे थे। अखिलेश ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजभर की सलाह के बारे में पूछे गए एक सवाल पर स्पष्ट कहा, समाजवादी पार्टी को किसी की सलाह की जरूरत नहीं है। कई बार राजनीति पीछे से संचालित होती है, इस सवाल पर कि राजभर सपा नेतृत्व की कार्यप्रणाली को लेकर नाराज हैं, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा अब कोई नाराज है तो मैं उसके लिए क्या कर सकता हूं। आजकल जो राजनीति दिखती है वह है नहीं। कई बार राजनीति पीछे से संचालित होती है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा सीटों के हाल में सम्पन्न उपचुनाव में सपा के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद से ओमप्रकाश राजभर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के रवैये के खिलाफ मुखर हैं। उन्होंने अखिलेश को वातानुकूलित कमरे से बाहर निकलकर सड़क पर संघर्ष करने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा कि साथ ही पिछले दिनों उन्होंने यह भी कहा था कि सपा और बसपा को वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ना चाहिए। उनकी दलील थी कि जब दोनों ही दल पिछड़ों और वंचितों की लड़ाई लड़ रहे हैं तो फिर चुनाव अलग–अलग क्यों लड़ते हैं। हालांकि सपा और बसपा ने वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था। बसपा को 10 और सपा को पांच सीटों पर कामयाबी मिली थी।

## संजय राउत का बागी विधायकों पर वार,कहा- मध्यावधि चुनाव होने दे...सब कुछ होगा स्पष्ट, कौन जीतेगा-कौन हारेगा

महाराष्ट्र में बीते दिनों हुए फ्लोर टेस्ट में एकनाथ शिंदे सरकार ने बहुमत हासिल कर ली थी. अब सांसद संजय राउत ('दरंल त्नज) ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर शिवसेना से बागी हुए विधायकों पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा, शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा, हमें अब भी उम्मीद है कि ये विधायक लौट आएंगे... बागियों से हमारी हमेशा बातचीत होती थी... ये हमारे लोग हैं, वापस आएंगे. श्सुभा का भूला अगर शाम को घर आ जाए, तो उससे भूला नहीं कहते.

### संजय राउत ने शिंदे सरकार पर साधा निशाना

उन्होंने आगे कहा, शिवसेना बाबा ठाकरे की है. किसी और का नहीं हो सकता. आप इसे पैसे के जरिए हाईजैक नहीं कर सकते. सीएम ममता बनर्जी ने कहा है, सिर्फ पैसा ही नहीं बल्कि कुछ और भी दिया. जब इस कुछ का खुलासा होगा तो बड़ा खुलासा होगा. संजय राउत ने कहा, शिवसेना के रूप में हमें 100 सीटें जीतने का भरोसा है. ..उद्धव ठाकरे ने कहा था कि मध्यावधि चुनाव होने दें और सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा.. कौन जीतेगा और कौन हारेगा.

### एकनाथ शिंदे ने संजय राउत पर साधा था निशाना

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बीते सोमवार को शिवसेना के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को घेरे रहने वाली मंडली पर जमकर निशाना साधा था. उन्होंने पार्टी के सांसद संजय राउत को आड़े हाथों लिया और कहा, श्शिकिसी ने हमें बैल कहा था, जिनको गुवाहाटी में देवी कामाख्या को चढ़ाया जाना था.

देवी ने हमसे कहा कि वह ऐसा बैल नहीं चाहती, जो बहुत बोलता है.

### एकनाथ शिंदे ने कही ये बात

मख्यमंत्री ने कहा, 10 जून को हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान शिवसेना का एक उम्मीदवार हार गया था. अब लगता है कि दूसरा उम्मीदवार चुनाव हार जाना चाहिए था. जिनमें से एक उम्मीदवार राउत ने जीत हासिल की थी, जबकि दूसरे उम्मीदवार संजय पवार को भाजपा के धनंजय महाडिक के सामने हार का सामना करना पड़ा था.

# सम्पादकीय

## उद्धव ठाकरे की वापसी आसान नहीं

महाराष्ट्र में कई दिनों से जारी राजनीतिक हलचल अब नये चरण में प्रवेश कर गयी है. भाजपा के समर्थन से मुख्यमंत्री बने एकनाथ शिंदे को विधानसभा अध्यक्ष ने शिव सेना विधायक दल के नेता के रूप में मान्यता दे दी है और उन्हें विश्वास मत भी मिल गया है. अब सवाल यह उठता है कि क्या शिव सेना पर उद्धव ठाकरे का नियंत्रण समाप्त हो चुका है या हो जायेगा. इस संबंध में कोई निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी. इसमें कोई दो राय नहीं है कि विधानसभा में शिंदे के खेमे में पार्टी के अधिकतर विधायक हैं. जहां तक किसी एक विधायक या विधायक समूह की सदस्यता का मामला है, तो उसका अंतिम निर्णय तो अदालत में होगा, पर अभी यह स्थिति है कि पार्टी में औपचारिक टूट नहीं हुई है. विधानसभा से बाहर शिव सेना का संगठन किसके पक्ष में जायेगा, यह जानने के लिए हमें कुछ इंतजार करना होगा. बहुत अधिक विधायक होने के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस का उपमुख्यमंत्री बनने का मामला भी शिव सेना की आंतरिक हलचलों से जुड़ा हुआ है. योजना में बदलाव इसलिए हुआ कि शिव सेना समर्थकों में उद्धव ठाकरे के प्रति सहानुभूति बढ़ती जा रही थी और लोग शिंदे गुट से इस बात पर नाराज होने लगे थे कि वे अपनी ही सरकार गिरा कर भाजपा की सरकार बनाने में मददगार हो रहे हैं.

महाराष्ट्र में कई लोग इस बात से चिंतित थे कि खुद बालासाहेब ठाकरे की सरपरस्ती में पले–बढ़े शिंदे सेना की कीमत पर भाजपा को मजबूत बना रहे हैं. भाजपा नेतृत्व को जैसे ही ऐसी भावनाओं का अहसास हुआ, उसने अपनी योजना बदल दी और शिंदे मुख्यमंत्री बना दिये गये.

इसमें कोई दो राय नहीं है कि इतने बड़े झटके के बाद उद्धव ठाकरे की वापसी आसान नहीं होगी. अब सब कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि बालासाहेब ठाकरे के पुत्र के खिलाफ एकनाथ शिंदे की अगुवआई में हुए विद्रोह पर शिव सैनिकों और पार्टी के समर्थकों की प्रतिक्रिया क्या होगी. उल्लेखनीय है कि सेना के काडर शाखा और विभाग के स्तर पर बड़ी मेहनत से तैयार किये गये हैं.

इस प्रक्रिया से सेना अपनी तरह की अन्य पार्टियों, जैसे– कम्युनिस्ट पार्टियों या भाजपा, से कहीं अधिक काडर आधारित संगठन है. यह सवाल भी है कि क्या शिव सेना बिना किसी ठाकरे के नेतृत्व के शिव सेना बनी रह सकेगी. बाल ठाकरे द्वारा 1966 में स्थापना के बाद से ही इस पार्टी की पहचान मराठी उपराष्ट्रवाद– मराठी माणूस– पर आधारित रही है. फिर इसने अपनी छवि हिंदुत्व समर्थक की बनायी और बाल ठाकरे ने सार्वजनिक रूप से दावा किया कि 1992 में शिव सैनिकों ने ही बाबरी मस्जिद गिरायी थी.

फिर भी सच यह है कि पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर हिंदुत्व के मामले में भाजपा से पीछे होती गयी, विशेषकर 2014 के बाद से हिंदुत्व पार्टी के रूप में इसकी पहचान कमजोर हुई है. शिव सेना की कीमत पर भाजपा महाराष्ट्र में मजबूत हुई है. दोनों पार्टियों का तीन दशक पुराना गठबंधन 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद इस पर टूट गया कि नेतृत्व कौन करेगा. इसका नतीजा कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस के साथ बने महा विकास अगाड़ी के रूप में सामने आया.

शरद पवार ने उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद लेने के लिए मनाया, जो पार्टी की पूर्ववर्ती परंपरा से अलग था. उद्धव के पिता ने अनेक मुख्यमंत्री बनाये, पर खुद कभी पद नहीं लिया और वे हमेशा सरकार से ऊपर बने रहे. महाराष्ट्र की सड़कों पर शिव सेना ही सरकार थी, भले ही सरकार में कोई भी हो. पहले भी छगन भुजबल, नारायण राणे, राज ठाकरे जैसे अनेक लोकप्रिय और ताकतवर नेताओं ने शिव सेना छोड़ी है, पर इससे पार्टी पर खास असर नहीं हुआ, लेकिन शिंदे ने वह कर दिखाया, जो पहले कोई नहीं कर सका था. वे अपने साथ 40 सेना विधायकों को ले गये, जबकि उद्धव ठाकरे के पास 15 विधायक ही बचे. चाहे भय कारण रहा हो या समर्पण, शिंदे ने यह दिखा दिया है कि विधानसभा में पार्टी के अधिकतर विधायक उनके साथ हैं, पर अभी यह देखा जाना बाकी है कि क्या पार्टी संगठन का झुकाव भी इसी तरह शिंदे के पक्ष में होगा. क्या सेना के काडर तथा शाखाओं और विभागों के नेता स्थानीय विधायकों के साथ खड़े होंगे या फिर वे सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का साथ देंगे? विधायक अगले दो साल तक तो उनकी मदद कर देंगे, पर उसके बाद क्या होगा? आगामी सप्ताहों और महीनों में यह पता चल सकेगा कि सेना किस हद तक ठाकरे नेतृत्व से जुड़ी हुई है.

इसकी पहली परीक्षा बृहनमुंबई नगर निगम के चुनाव में होगी, जहां अभी सेना का नियंत्रण है, पर भाजपा भी अपना विस्तार कर रही है. सेना के विभाजन का एक कारक सितंबर में होने वाले लगभग एक दर्जन निगमों का चुनाव है, पर इसमें तेजी आने की वजह हाल में हुए विधान पार्षद के चुनाव को लेकर ठाकरे और शिंदे में हुई तनातनी हो सकती है. शिव सैनिकों और समर्थकों में भले ही ठाकरे के लिए सहानुभूति हो और उन्होंने बतौर मुख्यमंत्री अपने आखिरी फैसले में नरम हिंदुत्ववादी रुख अपनाते हुए तीन हवाई अड्डों का नाम बदला हो, बीते तीन साल में उदारवादियों और मुस्लिम समुदाय से उन्हें नये समर्थक भी मिले हैं, कोविड महामारी का प्रभावी सामना करने के लिए उनकी प्रशंसा भी हुई है, लेकिन इन भावनाओं को अपने पक्ष में भुनाने के लिए उनका शिव सेना के समूचे संगठन पर नियंत्रण होना जरूरी है.

**उदय समाचार**

**दैनिक**

**स्वामी प्रकाशक व मुद्रक उदय कुशवाहा द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स साकेत नगर कानपुर नगर (उ प्र) से छपवाकर कार्यालय - जवाहर नगर पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर से प्रकाशित।**

**संपादक**

**उदय कुशवाहा**

Title Code - UPHIN49938

**नोट- समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी । सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय मान्य होगा ।**

# विश्व जूनोज दिवस – 6 जुलाई

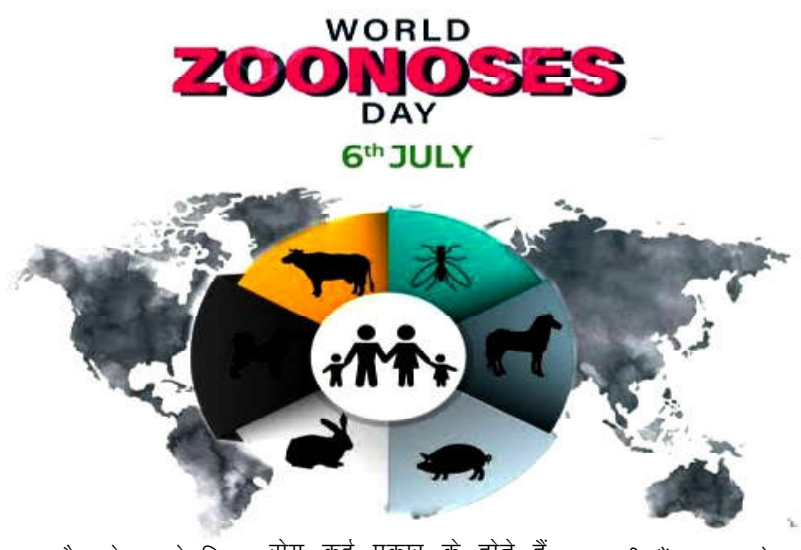


विश्व जूनोज दिवस प्रतिवर्ष 6 जुलाई को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य उन बीमारियों पर प्रकाश डालना है जो जानवरों से पैदा होकर मनुष्यों में फैल सकती हैं। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के अनुसार, जूनोटिक रोग का संचरण जानवरों के संपर्क में आने से फैलता है जैसे मांस या पशु उत्पादों के सेवन करना से। चूंकि जूनोटिस रोग विभिन्न प्रकार के होते हैं, इसलिए रोकथाम और इलाज भी अलग–अलग होते हैं। हालांकि, कृषि क्षेत्र में जानवरों की देखभाल के लिए सुरक्षित और उपयुक्त दिशा–निर्देश जैसी कुछ प्रथाएं खाद्य जनित जूनोटिक रोग की संभावना को कम करने में मदद कर सकती हैं। स्वच्छ पेयजल और अपशिष्ट हटाने के मानकों के साथ–साथ प्राकृतिक वातावरण में सतही जल की सुरक्षा भी ऐसी बीमारी के प्रसार को रोकने के प्रभावी तरीके हैं। उचित स्वच्छता बनाए रखना जैसे जानवरों के संपर्क में आने के बाद हाथ धोना, जूनोटिक रोगों के सामुदायिक प्रसार को कम कर सकता है। 6 जुलाई, 1885 को, फ्रांसीसी जीवविज्ञानी लुई पाश्चर ने एक पागल कुत्ते द्वारा काटे गए एक छोटे लड़के को पहला रेबीज टीका सफलतापूर्वक दिया था। टीके ने न केवल बच्चे को रेबीज होने से रोका बल्कि उसकी जान भी बचाई। हालांकि, रेबीज कई जूनोटिक रोगों का सिर्फ एक उदाहरण है। एवियन इन्फ्लूएंजा, इबोला और वेस्ट नाइल जैसे वायरस भी जूनोटिक रोगों का ही उदाहरण हैं। जूनोटिक एक तरह का रोगजनक वायरल होता है जो कि बैक्टीरिया या परजीवी हो सकते हैं। ये किसी जानवर के डायरेक्ट संपर्क या इंडारेक्ट संपर्क जैसे कि भोजन, पानी या पर्यावरण के माध्यम से मनुष्यों में फैल सकते हैं। यह एक मध्यस्थ प्रजाति के माध्यम से भी फैल सकता है। जूनोटिक केवल जंगली जानवरों जैसे चमगादड़ या बंदर से ही उत्पन्न नहीं होता है। यह पालतू जानवरों और खेत में होने वाले जानवरों से भी आ सकता है। भोजन के लिए उठाए गए जानवरों में एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग से जूनोटिक रोगजनकों के दवा प्रतिरोधी उपभेदों की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए जूनोटिक संक्रमणों में जानवरों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। चूंकि जूनोटिक रोग कई प्रकार के होते हैं, इसलिए एंटीबायोटिक्स जैसे कई प्रकार के उपचार भी होते हैं। कृषि उद्योग में पशुओं की देखभाल के लिए सुरक्षित दिशानिर्देश जैसे खाद्य जनित जूनोटिक रोगों के प्रसार को रोकने में कुछ प्रथाएं मदद कर सकती हैं। स्वच्छ पेयजल तक पहुंच और उचित बीमारियों के प्रसार को कम करने के प्रभावी तरीके हैं। घरेलू पालतू जानवरों का टीकाकरण और उचित स्वच्छता बनाए रखना जैसे जानवरों के निकट संपर्क के बाद अपने हाथ धोना भी मदद कर सकता है।

# राष्ट्रपति चुनाव में यूपी के बाद सबसे ज्यादा मूल्य इन राज्यों के विधायकों के वोट का

राष्ट्रपति चुनाव में उत्तर प्रदेश के विधायकों के मत का मूल्य सबसे ज्यादा है. इसके बाद तमिलनाडु और झारखंड का नंबर आता है. इन दोनों राज्यों के विधायकों के वोट का मूल्य 176 है. बिहार के विधायकों के वोट का मूल्य 173 है. प्रथम नागरिक के चयन के लिए जरूरी वोट मूल्य का न्यूनतम मान सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, पुडुचेरी संघ राज्य क्षेत्र, मेघालय, और मणिपुर का है. इन राज्यों के विधायकों के वोट का मूल्य क्रमशरू 7, 8, 8, 9, 16, 17 और 18 है. आज हम आपको बताते हैं कि राष्ट्रपति चुनाव में किस राज्य के विधायक के वोट का कितना मूल्य है.

### 1971 की जनगणना के आधार पर ही होता है राष्ट्रपति चुनाव

भारत में राष्ट्रपति चुनाव 1971 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर होते हैं. राज्य की जनसंख्या को वहां के विधायकों की संख्या से भाग दिया जाता है. इसका जो भागफल होता है, वही एक विधायक के वोट का मूल्य होता है. इस आधार पर उत्तर प्रदेश के विधायक के वोट का मूल्य सबसे ज्यादा 208 होता है. उत्तर प्रदेश के 403 विधायकों का कुल मत 83,824 (208•403) हो जाता है.

### अरुणाचल के एक विधायक के वोट का मूल्य 8

आंध्रप्रदेश के 175 विधायकों के वोट का कुल मूल्य 27,825 है, जबकि अरुणाचल प्रदेश के 60 विधायकों के वोट का मूल्य 480 (60•8) है. असम में 126 विधायक हैं. इनमें से एक विधायक के वोट का मूल्य 116 है. राष्ट्रपति चुनाव में असम के विधायकों का कुल मूल्य 14,616 है.

### बिहार में हैं 243 विधायक

बिहार में 243 विधायक हैं. एक विधायक के वोट का मूल्य 173 है. 243 विधायकों के वोट का कुल मूल्य 42,039 है. छत्तीसगढ़ में 90 विधायक हैं. एक विधायक के वोट का मूल्य 129 है. इन विधायकों का कुल मत 11,610 हो जाता है. गोवा के विधायकों के वोट का मूल्य 800 है, क्योंकि यहां के एक विधायक का वोट का मूल्य 20 है और यहां 40 विधायक हैं.

### हरियाणा के एक विधायक के वोट का मूल्य 112

गुजरात में कुल 182 विधायक हैं. यहां के एक विधायक के वोट का मूल्य 147 है. इस तरह कुल मत 26,754 हो जाते हैं. 90 विधानसभा सीटों वाले राज्य हरियाणा में एक विधायक के वोट का मूल्य 112 है. कुल मत 10,080 है. हिमाचल प्रदेश में 68 विधानसभा सीटें हैं. एक विधायक के वोट का मूल्य 51 है. सभी विधायकों के वोट का मूल्य 3,468 है.

### कई बड़े राज्यों से ज्यादा है झारखंड के विधायक के वोट का मूल्य

झारखंड के 81 विधायकों के मत का कुल मूल्य 14,256 है, क्योंकि यहां एक विधायक के वोट का मूल्य 176 है. 224 विधायकों वाले कर्नाटक के एक विधायक के वोट का मूल्य 131 है और इस तरह यहां के विधायकों के वोट का कुल मूल्य 29,344 हो जाता है. अब बात केरल की करते हैं. केरल की 140 सीट वाली विधानसभा के एक सदस्य के मत का मूल्य 152 है. इस तरह सभी विधायकों के वोट का मूल्य 21,280 हो गया है.

### मध्यप्रदेश के एक विधायक के वोट का मूल्य 131

मध्यप्रदेश की बात करें, तो यहां कुल 230 विधायक चुने जाते हैं. एक विधायक के वोट का मूल्य 131 होता है. 131 को 230 से गुणा करते हैं, तो 30,130 हो जाता है. यही इन विधायकों के वोट का मूल्य होता है. महाराष्ट्र में 288 सदस्यों वाली विधानसभा के एक सदस्य के वोट का मूल्य 175 है. यहां कुल मतों का मूल्य 50,400 है.

### मणिपुर के विधायक के वोट का मूल्य सिर्फ 18

अब कुछ छोटे राज्यों की बात करते हैं. 60 विधानसभा सीटों वाले मणिपुर के एक विधायक के वोट का मूल्य 18 है. इस तरह मणिपुर के सभी विधायकों के वोट का मूल्य 1,080 है. इतनी ही सीटों वाले मेघालय के एक विधायक के वोट का मूल्य 17 है. कुल मतों का मूल्य 1,020 है. 40 सीटों वाले मिजोरम राज्य के विधायक का वोट मूल्य 8 है, जबकि सभी विधायकों के वोट का मूल्य 320 हो गया. नगालैंड में 60 विधायक हैं और एक विधायक के वोट का मूल्य 9 है. कुल वोट 540 हैं.

### ओड़िशा में 147 विधायकों के वोट का मूल्य 21,903

ओड़िशा में कुल 147 विधानसभा हैं. एक विधानसभा के सदस्य के वोट का मूल्य 149 है, जिसे विधायकों की संख्या से गुणा करें, तो 21,903 हो जाता है. अब बात पंजाब की. पंजाब में 117 विधायक हैं और एक विधायक के वोट का मूल्य 116 है. कुल वोट की बात करें, तो यह 13,572 हो जाता है.

### राजस्थान के 200 विधायक करते हैं मतदान

राजस्थान में कुल 200 विधायक हैं. एक विधायक के वोट का मूल्य 129 है. राजस्थान का कुल मत 25,800 है. सिक्किम के 32 विधायकों में प्रत्येक के वोट का मूल्य 7 है. यहां के सभी विधायकों

के वोट का मूल्य 224 बैठता है. तमिलनाडु के 234 सदस्यीय विधानसभा के प्रत्येक सदस्य के वोट का मूल्य 176 है. इस तरह राज्य के सभी विधायकों के वोट का मूल्य 41,184 हो जाता है.

### तेलंगाना के 119 विधायकों के वोट का मूल्य 15,708

तेलंगाना विधानसभा में कुल 119 सदस्य हैं. एक–एक विधायक के वोट का मूल्य 132 है. सभी विधायकों के वोट का कुल मूल्य 15,708 है. त्रिपुरा के 60 विधायकों में से प्रत्येक के वोट का मूल्य 26 है. सभी विधायकों के मतों का कुल मूल्य 1,560 है. उत्तराखंड में 60 विधायक हैं. एक विधायक के वोट का मूल्य 64 है. सभी विधायकों के मतों का कुल मूल्य 4,480 है.

### पश्चिम बंगाल में एक विधायक के वोट का मूल्य 151

पश्चिम बंगाल में 294 विधायक चुने जाते हैं. इनमें से प्रत्येक के वोट का मूल्य 151 होता है. इस तरह पश्चिम बंगाल के 294 विधायकों के मतों का कुल मूल्य 44,394 है. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 70 विधायक हैं. एक–एक विधायक के वोट का मूल्य 58 है. इस तरह दिल्ली से राष्ट्रपति चुनाव में कुल 4,060 वोट पड़ते हैं. पुडुचेरी संघ राज्य क्षेत्र से 30 विधायक चुने जाते हैं. इनके वोट का कुल मूल्य 480 है, क्योंकि प्रत्येक विधायक के मत का मूल्य 16 है.

# नूपुर शर्मा को फटकार लगाने वाले जजों की आलोचना, पूर्व जजों–नौकरशाहों ने जारी किया बयान

पूर्व न्यायाधीशों और नौकरशाहों के एक समूह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों की मंगलवार को निंदा की. आरोप लगाया कि शीर्ष अदालत ने इस मामले में 'लक्ष्मण रेखा' पार कर दी. ये टिप्पणियां सबसे बड़े लोकतंत्र की न्याय प्रणाली पर ऐसा दाग हैं, जिसे मिटाया नहीं जा सकता. उन्होंने न्यायालय से टिप्पणियों को वापस लेने की मांग की.

### 117 लोगों ने नूपुर को फटकार लगाने वाले जज के खिलाफ की टिप्पणी

हाईकोर्टों के 15 पूर्व जजों, अखिल भारतीय सेवा के 77 पूर्व अधिकारियों और 25 अन्य लोगों के समूह ने आरोप लगाया कि ये 'दुर्भाग्यपूर्ण' टिप्पणियां न्यायिक लोकाचार से मेल नहीं खातीं. इन्होंने देश और विदेश में लोगों को 'हतप्रभ' कर दिया है.

### समूह ने जारी किया ये बयान

समूह ने एक बयान पर हस्ताक्षर किये, जिसमें उन्होंने कहा, 'न्यायपालिका के इतिहास में, ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण टिप्पणियां नहीं देखने को मिलती हैं और सबसे बड़े लोकतंत्र की न्याय प्रणाली पर ऐसा दाग हैं, जिसे मिटाया नहीं जा सकता. इस मामले में तत्काल सुधारात्मक कदम उठाये जाने का आह्वान किया जाता है, क्योंकि इसके लोकतांत्रिक मूल्यों और देश की सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं.

### हाईकोर्ट के पूर्व जजों ने किया है बयान पर हस्ताक्षर

इस बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में बंबई हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस क्षितिज व्यास, केरल हाईकोर्ट के पूर्व जज पीएन रवींद्रन, गुजरात हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एसएम सोनी, राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश– न्यायमूर्ति आरएस राठौर एवं न्यायमूर्ति प्रशांत अग्रवाल और दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एसएन ढींगरा शामिल हैं.

### पूर्व आईएएस अधिकारी भी कोर्ट की टिप्पणी से स्तब्ध

पूर्व आईएएस अधिकारी आनंद बोस, आरएस गोपालन और एस कृष्ण कुमार, राजदूत (सेवानिवृत्त) निरंजन देसाई, पूर्व पुलिस महानिदेशक एसपी वैद और बीएल वोहरा, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) वीके चतुर्वेदी और एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) एसपी सिंह ने भी बयान पर हस्ताक्षर किये हैं.

### बयान में कही गयी हैं ये बातें

बयान में कहा गया है, 'ये टिप्पणियां न्यायिक आदेश का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें न्यायिक औचित्य एवं निष्पक्षता के आधार पर किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता है.' सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निलंबित नेता नूपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी को लेकर उन्हें एक जुलाई को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा था कि उनकी (नूपुर की) 'अनियंत्रित जुबान' ने 'पूरे देश को आग में झोंक' दिया. न्यायालय ने यह भी कहा था कि 'देश में जो कुछ हो रहा है, उसके लिए नूपुर शर्मा अकेले जिम्मेदार हैं.'

### सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर की याचिका को स्वीकार करने से किया इंकार

न्यायालय ने शर्मा की विवादित टिप्पणी को लेकर विभिन्न राज्यों में दर्ज प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने संबंधी उनकी याचिका स्वीकार करने से इंकार करते हुए कहा था कि उन्होंने (शर्मा ने) विवादित टिप्पणी या तो सस्ता प्रचार पाने के लिए या किसी राजनीतिक एजेंडे के तहत या किसी घृणित गतिविधि के तहत की.

### जजों की टिप्पणी ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी

बयान में इन टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा गया है, 'हम जिम्मेदार नागरिक के तौर पर यह मानते हैं कि किसी भी देश का लोकतंत्र तब तक ही बरकरार रहेगा, जब तक कि सभी संस्थाएं संविधान के अनुसार अपने कर्तव्यों का पालन करती रहेंगी. सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की हालिया टिप्पणियों ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी है और हमें एक खुला बयान जारी करने के लिए मजबूर किया है.'

### देश-विदेश में लोग हतप्रभ

बयान में कहा गया कि इन 'दुर्भाग्यपूर्ण और अप्रत्याशित' टिप्पणियों के कारण देश और विदेश में लोग हतप्रभ हैं. इसमें कहा गया है, 'यदि कानून के शासन एवं लोकतंत्र को बनाये रखना है और इसे आगे बढ़ाना है, तो इन टिप्पणियों को नजरअंदाज करना बहुत गंभीर है और इन्हें न्याय की परवाह करने वाले लोगों का मन शांत करने के रुख के साथ वापस लिये जाने की आवश्यकता है.'

### न्याय प्रणाली तक पहुंच का नूपुर ने किया था अनुरोध

बयान में उल्लेख किया गया है कि शर्मा ने शीर्ष अदालत के समक्ष न्याय प्रणाली तक पहुंच का अनुरोध किया था. इसमें कहा गया है कि अदालत की टिप्पणियों का न्यायिक रूप से याचिका में उठाये गये मुद्दे से कोई संबंध नहीं है और इन्होंने 'न्याय प्रदान की सभी कसौटियों का अप्रत्याशित तरीके से उल्लंघन' किया है. इसमें कहा गया, 'उन्हें (नूपुर को)

न्यायपालिका तक पहुंच से वस्तुतरू वंचित कर दिया गया था और इस प्रक्रिया में भारत के संविधान की प्रस्तावना, भावना और सार का उल्लंघन किया गया.'

### कानून से जुड़े समुदाय इस टिप्पणी से आश्चर्यचकित

बयान में दावा किया गया कि इन टिप्पणियों ने 'उदयपुर में दिन–दिहाड़े सिर कलम करने के नृशंस कृत्य' को अप्रत्यक्ष तरीके से छूट दे दी. इसमें कहा गया, 'कानून से जुड़े समुदाय का इस टिप्पणी पर आश्चर्यचकित होना तय है कि प्राथमिकी के कारण गिरफ्तारी होनी चाहिए. देश में बिना नोटिस दिये अन्य एजेंसियों पर इस प्रकार की टिप्पणियां वास्तव में चिंताजनक और खतरनाक हैं.'

### नूपुर शर्मा की याचिका का किया गया बचाव

बयान पर हस्ताक्षर करने वालों ने शीर्ष अदालत के पहले के आदेशों का हवाला देते हुए शर्मा की सभी प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने की याचिका का भी बचाव किया. इसमें कहा गया, 'यह समझ से परे है कि नूपुर शर्मा के मामले के साथ अलग व्यवहार क्यों किया जा रहा है. सुप्रीम कोर्ट का यह रुख प्रशंसनीय नहीं है और यह इस देश की शीर्ष अदालत की शुचिता एवं गरिमा को प्रभावित करता है.'

### भारतीय संविधान के सार और भावना को नष्ट करती हैं न्यायिक टिप्पणियां

बयान में कहा गया, 'जो मामले अदालत के समक्ष लंबित नहीं हैं, उन पर इस प्रकार की न्यायिक टिप्पणियां भारतीय संविधान के सार और भावना को नष्ट करती हैं. याचिकाकर्ता को इस तरह की निंदात्मक टिप्पणियों से मजबूर करना, उसे बिना मुकदमे के दोषी घोषित करना और याचिका में उठाये गये मुद्दे को लेकर उसे न्याय तक पहुंच से वंचित करना कभी लोकतांत्रिक समाज का हिस्सा नहीं हो सकता.

### कोर्ट ने की थी दिल्ली पुलिस की खिंचाई

टेलीविजन पर प्रसारित एक बहस के दौरान शर्मा की विवादित टिप्पणी के विरोध में देश भर में प्रदर्शन हुए थे और कई खाड़ी देशों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी. भाजपा ने बाद में नूपुर शर्मा को पार्टी से निलंबित कर दिया था. न्यायालय ने नूपुर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने वाली दिल्ली पुलिस की खिंचाई करते हुए कहा था, 'अभी तक की जांच में क्या हुआ है? दिल्ली पुलिस ने अब तक क्या किया है? हमारा मुंह न खुलवाएं? उन्होंने आपके लिए लाल कालीन बिछाया होगा.'

### टिप्पणी को 'अवांछित' घोषित किया जाये

इसके बाद, प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण के समक्ष एक जुलाई को दायर एक पत्र याचिका में नूपुर शर्मा के खिलाफ न्यायालय की पीठ द्वारा की गयी प्रतिकूल टिप्पणी को वापस लेने का आग्रह किया गया था. टिप्पणी वापस लेने संबंधी पत्र याचिका दिल्ली निवासी अजय गौतम द्वारा दायर की गयी, जो स्वयं को सामाजिक कार्यकर्ता बताते हैं. पत्र याचिका में कहा गया कि इसे जनहित याचिका के तौर पर देखा जाये और सुनवाई के दौरान की गयी टिप्पणियों को 'अवांछित' घोषित किया जाये.

# बाइक सवार को बचाने के चलते अनियंत्रित होकर पलटी पिकअप, दस लोग घायल

कानपुर । घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली चौकी जाजपुर के, रूपनगर गांव के पास खजुआ से कालपी जा रही पिकअप बाइक को बचाने के चलते अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे बकरी बेचने कालपी जा रहे पिकअप में बैठे करीब 10 लोग घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार कर पांच को हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल कानपुर रेफर किया गया है, जानकारी के अनुसार बकरो को कुछ लोग बेचने कालपी जा रहे थे, और करीब पिकअप में लगभग 20 से 25 लोग सवार थे, जैसे ही पिकअप घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के घुघुआ और रूपनगर गांव के बीच पहुंची, तभी अचानक सामने से आ रही बाइक को बचाने के चलते अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे पिकअप में सवार शीलू पुत्र कमलेश उम्र 15 वर्ष निवासी खजुआ, विमलेश पुत्र रतिराम उम्र 20 वर्ष निवासी खजुआ, गंगा प्रसाद पुत्र शिवलाल उम्र 35 वर्ष निवासी रोटी चौराहा, रमेश पुत्र शिवलाल उम्र 45 वर्ष निवासी रोटी चौराहा, शिव कुमार पुत्र लल्ला निवासी भाटी मलवा फतेहपुर, सलमान पुत्र लाले उम्र 25 वर्ष निवासी आछी मोहाल पुर्वी पुरवा घाटमपुर, शिव स्वरूप पुत्र छोटेलाल पाल निवासी स्योदी उम्र 35 वर्ष एवं शिवम पुत्र राजेश उम्र 13 वर्ष निवासी स्योदी, छोटू पुत्र यूनुस उम्र 7 वर्ष निवासी

आछी मोहाल, यूनुस उम्र 45 वर्ष निवासी आछी मोहाल घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया,जहां हालत गंभीर देखते हुए विमलेश, गंगा प्रसाद, रमेश, शिव कुमार,शिव स्वरूप को कानपुर जिला अस्पताल प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है, घटना के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सैकड़ों लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई, बताया जाता है कि पिकअप में खजुआ से लेकर घाटमपुर चौराहे तक जगह–जगह बकरी विक्रेता चढ़े और सभी कालपी बकरी बेचने जा रहे थे ।

## महापौर प्रमिला पांडेय को कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन, ट्रांसफर आदेश वापस लेने की मांग

कानपुर । नगर निगम ने 168 कर्मचारियों का एक साथ हुए ट्रांसफर का विरोध थमने का नहीं ले रहा है। महापौर प्रमिला पांडेय के तीर्थ यात्रा से लौट कर आते ही मंगलवार को कर्मचारी संघ ने ट्रांसफर आदेश वापस लेने को लेकर महापौर को ज्ञापन सौंपा। जलकल विभाग कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि 30 जून को किए गए ट्रांसफर पूरी तरह शासनादेश के खिलाफ हैं। इससे कई विभाग में पूरे स्टाफ का ट्रांसफर कर दिया गया। इससे काम ठप हो चुका है। वहीं, ट्रांसफर को लेकर 15 जून को एक और शासनादेश जारी किया गया था। जिसमें स्पष्ट है कि 10 से 20 परसेंट कर्मचारियों के ही ट्रांसफर किए जा सकते हैं। ट्रांसफर आदेश जारी होने के बाद कर्मचारियों

के सामने बड़े ही असमंजस की स्थिति है। विरोध के बाद कर्मचारी आस लगाए बैठे हैं कि शायद आदेश वापस हो जाए।

ऐसे में ज्यादातर कर्मचारी अपने ट्रांसफर आदेश होने के बाद भी नए विभागों में ज्वाइनिंग नहीं ले रहे हैं। बता दें कि कार्मिक विभाग में तैनात सहायक नगर आयुक्त जिन्होंने ट्रांसफर आदेश जारी किए थे। उनका तीन दिन पहले शासन से खुद ट्रांसफर किया जा चुका है। ट्रांसफर आदेश में महापौर के स्टाफ को भी बदल दिया गया है।

## जिला पंचायत अध्यक्ष ने सैमसी झील के पंचवटी में वृक्षारोपण कर किया जागरूक

कानपुर । महाराजपुर विधानसभा के सैमसी गांव में ऐतिहासिक सैमसी झील के पंचवटी में जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण ने वृक्षारोपण अभियान शुरू कराया। मंगलवार को भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण ने सैमसी झील में हो रहे सौंदर्यीकरण का निरीक्षण किया वरुण ने सैमसी झील के मैदान में वृक्षारोपण के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि वृक्ष लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। हम सभी को सुखी समृद्ध एवं संतुलित बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण का विशेष महत्व होता है। वृक्षारोपण से प्रकृति का संतुलन भी बना रहता है जो मानव जीवन के लिए सबसे

अच्छा होता है। वृक्षारोपण से ऑक्सीजन की अधिक मात्रा की पूर्ति होती है और वृक्षारोपण से वृक्ष कार्बन डाइऑक्साइड के साथ–साथ अन्य बहुत सारी हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं जिससे वायु शुद्ध और तरोताजा हो जाती है।

## कानपुर डबल मर्डर- पति-पत्नी की हत्या का कुछ घंटे में सनसनीखेज खुलासा, बेटी ही निकली कातिल

कानपुर । सोमवार की रात हुई पति–पत्नी की हत्या का कुछ घंटे में ही सनसनीखेज खुलासा हो गया है। दंपति की बेटी ही कातिल निकली है। बेटी ने ही अपने ब्वॉय फ्रेंड और उसके दोस्त के साथ मिलकर मां–बाप को मौत के घाट उतारा है। हत्या से पहले बेटी ने खाने में नशीला पदार्थ मिलाया था। रात में गेट खोलकर हत्यारों की एंट्री कराई थी। पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरे में पुलिस को एक संदिग्ध घर में घुसते और करीब तीन घंटे बाद निकलते दिखाई दिया था। यहीं से पुलिस खुलासे के करीब पहुंची। सीसीटीवी और मोबाइल फोन ने मामले को खोल दिया। हालांकि हत्या के कारण पर पुलिस पशोपेश में है। पहले संपत्ति विवाद की बात सामने आई लेकिन भाई के जिंदा रहने से पुलिस ने ब्वॉय फ्रेड वाले एंगल पर जांच तेज की है। डबल मर्डर के बाद बेटी ने सुबह पुलिस को जो कहानी बताई थी उसमें शुरू से ही झोल लग रहा था। बेटे ने बताया था कि रात सब 8.30 बजे जूस पीकर सो गए थे जो आम तौर पर अब शहरों में या गांव तक में सोने

का समय नहीं रहा। फिर बहन ने भाई को रात 2 बजे उठाकर बताया कि मां–पिता का खून हो गया है। दूसरी बात सीसीटीवी में जो संदिग्ध हत्यारा घर में घुसता और बाहर जाता दिखा उसके घर में घुसने और बाहर निकलने के बीच में दो घंटा से ज्यादा का गैप था। इससे ये शक हुआ कि घर के अंदर कोई तो था जिसने उसे दो घंटे से अधिक वक्त तक रोके रखा। पुलिस से पूछताछ में दंपति मर्डर केस में संपत्ति के लालच का एंगल तो आ गया है लेकिन फिर यहां से सवाल उठता है कि संपत्ति का लालच था तो फिर संपत्ति के साझीदार भाई को बहन ने कैसे छोड़ दिया। बेटी ने नशीला पदार्थ खाने में मिलाया तो भाई पर उसका असर क्यों नहीं हुआ। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि मां–बाप को नशीला ड्रिंक पिलाने के बाद लड़की ने बॉयफ्रेंड को बुलाया था लेकिन पकड़े जाने पर मां–बाप की हत्या कर दी। इसी कहानी में आगे भी खुलासे और नए मोड़ आने की पूरी संभावना है क्योंकि हत्या की साजिश घर के अंदर रची गई है। कानपुर के बर्रा 2 यादव मार्केट के पास सोमवार देर रात फील्ड गन फैक्ट्री से सुपरवाइजर की पोस्ट से रिटायर्ड मुन्ना लाल गुप्ता (61) व उनकी पत्नी राज देवी (55) की गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। घटना के समय घर में बेटा अनूप उत्तम (30) और बेटी (25) कोमल थी। अनूप ने आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी से तलाक का केस चल रहा है और बड़े साले सुरेंद्र और छोटे साले मयंक आए दिन जान से मारने की धमकी देते रहते थे। अनूप के मुताबिक रात करीब 2 बजे बहन ने आकर बताया कि नीचे मां पापा की हत्या हो गई है। यह सुनकर उसके होश उड़ गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर कमिश्नर समेत 4 थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी और कुछ घंटे में ही खुलासा हो गया।

## घाटमपुर विधायक ने वृक्षारोपण कर लोगों को पेड़ लगाने के लिए किया प्रेरित

कानपुर । घाटमपुर विधायक ने वृहद वृक्षारोपण कर लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया है। इस दौरान विधायक ने यहां पर सौ पेड़ लगाए है। वहीं घाटमपुर में समाचार पत्र वितरक संघ ने भी पेड़ लगाए है। घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के धरमपुर बंबा स्थित आंत्येष्ठी स्थल में मंगलवार दोपहर पहुंची घाटमपुर विधायक सरोज कुरील ने वृहद वृक्षारोपण की शुरुआत की है। जिसके बाद वृहद वृक्षारोपण के तहत यहां पर विधायक ने सौ पेड़ लगाए है। जिसके बाद ग्राम पंचायत क्षेत्र के गांवों में विभिन्न जगहों पर वृक्षारोपण किया जाएगा। इस दौरान यहां पर ब्लॉक प्रमुख कोमल सिंह ने भी वृक्षारोपण किया है। इस दौरान यहां पर मौजूद लोगो को विधायक सरोज कुरील ने सम्बोधित करते हुए

कहा कि पेड़ मानव जीवन के लिए बहुत जरूरी है। बोली पेड़ हमसे कभी कुछ लेते नही लेते और हमें निशुल्क आक्सीजन देते है।

उन्होनें कक्षा तीन की एक कविता पेड़ हमे देते है, सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखे बताकर लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान यहां पर पतारा ब्लॉक प्रमुख कोमल सिंह, बीडीओ विनायक सिंह, एडीओ पंचायत आदित्य शुक्ला, ग्राम प्रधान पतारा रामभजन पाल, सचिव शैलेंद्र गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

## कर्ज से परेशान किसान ने फांसी लगा दी जान, जामुन के पेड़ से लटका मिला शव

कानपुर । साढ़ थाना क्षेत्र के अकबरपुर बरुई गांव में कर्ज से परेशान एक बुजुर्ग किसान ने फांसी लगा अपनी जान दे दी। मंगलवार को बुजुर्ग का शव जामुन के पेड़ से अंगौछे के सहारे फांसी पर लटकता मिला है। किसान ने केसीसी से दो लाख का कर्ज लिया था। जिसको बीमारी की वजह से नहीं भर पा रहा था, जिसके चलते बुजुर्ग परेशान रहता था। साढ़ थाना क्षेत्र के अकबरपुर बरुई गांव निवासी 60 वर्षीय कैलाश साहू का बेटा नंदन परिवार के साथ बिहार में रहता है। जहां पर वह प्राइवेट नौकरी कर पाने परिवार का भरण पोषण करता है। बुजुर्ग गांव में स्थित घर में अपनी पत्नी नंदनी के साथ रहते थे। बीते कुछ दिनों से कैलाश खेत में लगे ट्यूबवेल में रहते थे, जिसके चलते वह वहां पर रहकर अपनी फसल की रखवाली करते थे। मगंलवार को ग्रामीणों को उनका शव खेत में स्थित जामुन के पेड़ पर अंगौछे के सहारे फांसी पर लटकता देखा तो ग्रामीणों ने परिजनों के साथ पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची साढ़ पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल करने के बाद बुजुर्ग के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पत्नी नंदनी ने बताया कि उनके पति कैलाश ने बैंक के केसीसी से 2 लाख रुपए का लोन लिया था। बताया की वह बीते कुछ

माह से वह बीमार थे। बीमारी की वजह से वह कर्ज नहीं भर पा रहे थे, जिसके चलते वह कुछ दिनों से तनाव में थे। घटना के बाद से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मामले में साढ़ थानाध्यक्ष जगदीश पाण्डेय ने बताया कि जानकारी मिली थी शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। बताया की बुजुर्ग मानसिक परेशान था जिसके चलते उसने फांसी लगाई है।

## एक अध्यापक के सहारे एक से आठ तक के बच्चों को शिक्षा का दायित्व

'हमीरपुर'– कुरारा कस्बे के भौली रोड स्थित कांशीराम आवास के पास संचालित बहुमंजली सरकारी जूनियर विद्यालय में की कमी होने के कारण बच्चों को शिक्षा नही मिल पा रही है। तथा दो साल से बच्चों को कोई सुबिधा भी नही मिल पा रही है। एक अध्यापक के सहारे एक से आठ तक के बच्चों की शिक्षा का दायित्व है। कस्बे के भौली रोड में कांशीराम आवास के पास बहुमंजिली जूनियर सरकारी विद्यालय संचालित है। यह विद्यालय कक्षा एक से आठ तक संचालित है। यहां पर एक अध्यापक राजाभैया की तैनाती है। उन्होंने बताया कि मूल तैनाती भैंसा पाली गांव में है। तथा यहां सम्बध्द किया गया है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में 81 बच्चे पंजिकृत है। तथा आज 18 बच्चे उपस्थित थे। इस विद्यालय का हाल बेहाल हैं। दो वर्ष से एक अध्यापक के सहारे ही पढ़ाई का कार्य चल रहा है। प्रधानाध्यापक राजाभैया ने बताया कि बच्चों को सरकारी ड्रेस बस्ता कापी किताबे स्वेटर जूता आदि की सुबिधा नही मिली है। इससे बच्चों को कोई सुबिधा नही मिली है। यह विद्यालय उपेक्षा का शिकार हो गया है। इससे विद्यालय में बच्चों की संख्या कम हो रही है। लाखो की लागत से बनाये गए बहुमंजली विद्यालय का रख रखाव भी नही हो पा रहा है। अभिभावकों ने इस विद्यालय में अद्यपको की तैनाती किये जाने की मांग जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से की है।

## दोगुनी उम्र का दूल्हा देख दुल्हन ने खाया जहर, मौत से मचा कोहराम

फतेहपुर । जनपद के औंग थाना क्षेत्र में दुल्हन ने दोगुनी उम्र का दूल्हा देख आत्महत्या कर ली बताते चलें कि फतेहपुर जनपद के औग कस्बे के एक निजी गेस्ट हाउस में कानपुर नगर से बारात आई हुई थीद्वारचार के समय दुल्हन ने दोगुनी उम्र का दूल्हा देख जहर खा लिया हालत बिगड़ते ही परिवारी जनों ने आनन–फानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान दुल्हन की मौत हो गई इधर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है खुशियों

के आंगन में मातम छा गयाऔर बारात बैरंग वापस चली गई थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी किसी प्रकार की तहरीर नहीं आई है तहरीर आने के बाद कार्रवाई की जाएगी ।

## मुखबिर की सूचना पर दो देसी बम के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

फतेहपुर । जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में मुखबिर की सटीक सूचना पर एक अभियुक्त दो देशी बम के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है बताते चलें कि बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के जोनिहा चौकी क्षेत्र के धाने मऊ गांव के समीप भगत ताला के पास मुखबिर की सटीक सूचना पर अभियुक्त सूरज कंजर पुत्र रामकुमार निवासी छोटेलाल पुर को गिरफ्तार कर लिया गया है बताते चलें कि अभियुक्त सूरज के पास दो देसी बम बरामद हुए हैं और जिले के कई थानों पर अभियुक्त के खिलाफ कई मुकदमा पंजीकृत है थाना इंचार्ज रविंद्र कुमार श्रीवास्तव चौकी इंचार्ज महेंद्र सिंह अपने हमराही सिपाहियों के साथ जब गिरफ्तारी करने पहुंचे तो बम से उड़ाने की धमकी दी लेकिन चारों तरफ से घेराबंदी कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया और थाने लाए जहां पर कई धाराओं पर मुकदमा पंजीकृत करते हुए जेल

भेजा जा रहा है ।

## घरेलू कलह के चलते युवक ने खाया जहर, हालत गंभीर

फतेहपुर । जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र में घरेलू कलह के चलते एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की इसकी जानकारी जैसे ही परिजनों को हुई तो आनन–फानन सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है बताते चलें कि फतेहपुर जनपद के बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के माधवपुर गांव निवासी सौरभ कुमार पुत्र राकेश कुमार ने घरेलू कलह के चलते जहरीला पदार्थ खाकर अपनी आत्महत्या करने की कोशिश की इसकी जानकारी जैसे ही परिजनों को हुई तो आनन–फानन निजी वाहन से सरकारी स्वास्थ्य केंद्र

बिंदकी में भर्ती कराया जहां पर उसका इलाज किया जा रहा है इसका को ने बताया कि उपचार किया जा रहा है यदि हालत में सुधार नहीं होता है तो जिला अस्पताल के लिए रिफर किया जाएगा ।

## अनियंत्रित डंफर पेड़ से टकराया चालक हेल्फर घायल'

हमीरपुर'– सोमवार की रात कानपुर से कबरई जा रहा एक तेज रफ्तार डंपर हाईवे में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराकर चकनाचूर हो गया। इस घटना में चालक एवं हेल्पर को गंभीर चोटें लगी हैं। दोनों को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

हालत गंभीर होने पर दोनों को कानपुर ले जाया गया है।

# पिता ने शराब पीने से डांटा तो युवक ने की आत्महत्या, नीम के पेड़ से लटका मिला शव

औरैया । जिले में फफूंद थाना क्षेत्र के देवरपुर में मोटर साइकिल मैकेनिक ने पिता की डांट से क्षुब्ध होकर फांसी लगा ली। मृतक का शव मंगलवार सुबह गांव के बाहर नीम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। देवरपुर निवासी रामनरेश ने बताया कि उसका बेटा आनंद (22) मोटर साइकिल मैकेनिक था और गांव में ही दुकान किए था। सोमवार शाम वह शराब पीकर घर आया था। इस पर उसे डांटा गया। कुछ देर घर पर रुकने के बाद रात करीब नौ बजे वह घर से चला गया। काफी देर तक घर नहीं आया तो खोजबीन की गई। मंगलवार सुबह गांव के बाहर नीम के पेड़ पर गमछे के सहारे शव लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष राकेश शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

# अधिकारियों ने किया कटान रोकने के कार्य का निरीक्षण

## प्रमुख सचिव सिंचाई को दिखाया गया कटान रोकने का ब्लूप्रिंट

उन्नाव । जिले में रविदास नगर के सामने पिछले कई सालों से गंगा में बाढ़ आने के दौरान तेजी से कटान होता चला आ रहा है। इस बार रविदास नगर बस्ती को बचाने के लिए उन्नाव शारदा नहर सिंचाई खंड ने कार्य शुरू कराया है। जिसका निरीक्षण करने के लिए बीते दिन प्रमुख सचिव सिंचाई, उन्नाव जिला अधिकारी के साथ मौके पर पहुंचे और कटान रोकने के कार्य का निरीक्षण किया। अधिकारियों के निरीक्षण के बाद विभाग ने लगभग कार्य पूरा करा लिया है। सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग डीएम रविंद्र कुमार मुख्य विकास अधिकारी दिव्यांशु पटेल ने सिंचाई विभाग के एक्सईएन शैलेश कुमार सिंह ऐई सार्थक व जेइ जयप्रकाश से कटान रोकने के किए गए कार्यों के बारे में बीते दिन कटान स्थल पर पहुंच कर जानकारी ली थी। जिस पर मानचित्र के सहारे से ब्लूप्रिंट दिखाकर कटान रोकने का कार्य दिखाया। कार्य अच्छा होने पर अधिकारियों ने सिंचाई विभाग की प्रशंसा करने के साथ ही पीठ थपथपाई। अधिकारियों के जाने के बाद सिंचाई विभाग ने तेजी से कार्य कराया और कटानी स्थल पर 320 मीटर तक जियो ट्यूब डालने के साथ ही परकियूपाइन डालने का कार्य अंतिम दौर तक पहुंचाया। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि परक्योंपाइन से बाढ़ आने के दौरान सिल्ट जमा हो जाएगी जिससे बस्ती के सामने कटान नहीं होगा।

# बकरीद त्योहार को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक

बहराइच । बकरीद त्योहार को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक हुई, जिसका नेतृत्व डीएम डॉ. दिनेश चंद्र ने की। मीटिंग में मौजूद लोगों से त्योहारों को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि संभ्रांत लोगों की ओर से साफ–सफाई, बिजली, पानी, सड़क आदि के संबंध में जो महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं। उसका समय से निराकरण कराया जाएगा। उन्होंने कहा, पीस कमेटी की बैठक का उद्देश्य यही है कि संभ्रान्त जनों के साथ बैठक कर महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किया जाए और उसका समय से निराकरण कराया जाए। बैठक के माध्यम से डीएम ने जन पदवासियों से अपील की पौध रोपण अभियान में भाग लेकर अधिक से अधिक पौध रोपित करें। डीएम ने अधिशासी अधिकारियों और डीपीआरओ को निर्देश दिया कि नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में समुचित साफ–सफाई कराते हुए जलभराव आदि की समस्या को समय से ठीक करा लिया जाए। उन्होंने मौजूद लोगों का आह्वान करते हुए कहा, सफाई व्यवस्था में सभी की सहभागिता अवश्यक है। इस कार्य में सभी लोग भरपूर सहयोग देते हुए ग्रामीण व नगर क्षेत्र को साफ–सुथरा बनाये रखने में सहयोग करें। डीएम डॉ. चन्द्र व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी ने कहा, त्योहार को एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए भाईचारे के साथ मनाएं। असामाजिक तत्वों से सावधान रहें, यदि कोई अप्रिय बात हो तो उच्च अधिकारियों के संज्ञान में अवश्य लाएं। त्योहार को पारंपरिक ढंग से मनाएं, निर्धारित स्थलों पर ही कुर्बानी की जाए। प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी न की जाय। डीएम ने कहा, सड़कों पर धार्मिक आयोजन न किए जाए तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग करने में शासन के दिशा–निर्देशों का अनुपालन करें। डीएम और एसएसपी ने कहा, शरारती व असामाजिक तत्वों पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है। किसी को कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं होगी। गुड पुलिसिंग व्यवस्था रहेगी, लेकिन माहौल को खराब करने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी ।

# बच्चों के साथ विधायक ने रोपे पौधे, कहा- पर्यावरण सुरक्षा के लिए पौधे लगाना जरूरी

उन्नाव । बांगरमऊ तहसील क्षेत्र के गांवों में पौध रोपण कार्यक्रम मनाया गया। इसके साथ ही स्कूलों में बच्चों ने भी पौधे लगाए। सभी ने इन पौधों की देखरेख का भी संकल्प लिया। अन्य लोगों से भी पौधे रोपने की अपील की। बांगरमऊ विधायक श्रीकांत कटियार ने मंगलवार को ग्राम पंचायत मदारनगर के निकट स्थित कल्याणी नदी के किनारे छायादार व फलदार वृक्षों का पौध का रोपण किया। इस अवसर पर एडीओ पंचायत कौशल कुमार, जिला पंचायत सदस्य शिवकुमार तिवारी, साईपुर सगौड़ा प्रधान आलोक कुमार सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। इसके अलावा विधायक ने तहसील क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय ब्योली इस्लामाबाद में आयोजित संचारी रोग नियंत्रण और स्कूल चलो अभियान तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने स्कूल प्रांगण में बड़े पैमाने पर छायादार फलदार वृक्षों की पौध रोपित किया। इसके बाद उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से वृक्षों के संरक्षण की अपील की। विधायक ने कहा कि पर्यावरण संतुलित बनाए रखने के लिए सभी को वृक्ष लगाना चाहिए और इसकी देखभाल भी करना चाहिए। अधिकतर लोग वृक्ष लगाने के बाद उनकी देखभाल नही करते, जिससे वह वृक्ष सूख जाते है। बताया कि जब वृक्ष छोटा होता है तब उसे पानी डालना व पशुओं तथा दीमक आदि से बचाव करना चाहिए। ताकि आने वाली पीढ़ी सुरक्षित हो सके, और पर्यावरण की दूषित होने से बचाया जा सके।

# मंत्री संजीव कुमार गोंड ने वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ कर लोगों को किया जागरूक

महराजगज । मंत्री संजीव कुमार गोंड वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया है। इस दौरान वृक्षारोपण एवं सिंगल यूज प्लास्टिक को से होने वाले प्रदूषण को लेकर लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा, प्रदेश की योगी सरकार ने पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य के हित मे वृक्षारोपण का महा अभियान शुरू किया है। आज प्रदेश भर में 25 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। प्रभारी मंत्री राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव कुमार गोंड ने कहा, महराजगंज जनपद में भी 25 लाख पौधे लगाकर पर्यावरण को स्वस्थ्य व सुंदर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ऑक्सीजन का महत्व हमे कोरोना काल मे पता चला था।

इसलिए हम लोगों को ऑक्सीजन के स्रोत पेड़ों का भी समझना होगा। इस अवसर पर सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष परदेशी रविदास, नोडल अधिकारी पी. गुरुप्रसाद, जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार, पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल, एडीएम डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने भी वृक्षारोपण किया।

# प्रधान संघ ने बीडीओ ऑफिस में लगाया ताला, कमीशनखोरी का आरोप लगाकर किया प्रदर्शन

हमीरपुर । सुमेरपुर ब्लॉक में मंगलवार को प्रधान संघ ने ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर के ऑफिस में ताला लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया। साथ ही स्टाफ को कैम्पस के बाहर का रास्ता दिखा दिया। प्रधानों ने बीडीओ को तानाशाह बताते हुए उसकी बर्खास्तगी की मांग की है, और ब्लॉक कैम्पस में धरना देकर बैठ गए हैं। सुमेरपुर ब्लॉक क्षेत्र में 65 प्रधान हैं। जिनकी बीते काफी समय से तमाम कामों सहित मनरेगा के भुगतान को लेकर बीडीओ से अनबन चल रही है। आज उसी का गुस्सा तब फूट पड़ा। सभी प्रधान ब्लॉक कैम्पस में एकजुट हो गए। प्रधान अरविंद प्रताप सिंह,लल्ला सिंह चंदेल, भारत सिंह यादव का आरोप है की खंड विकास अधिकारी बिना कमीशन के किसी भी काम का भुगतान करने में आनाकानी करता है। जिसकी वजह से मनरेगा सहित कई भुगतान रुके हुए हैं।

ऐसे में मनरेगा मजदूरों का भुगतान नहीं हो पा रहा है, साथ ही अन्य काम भी रुके हुए हैं। आक्रोशित प्रधानों ने बीडीओ को तानाशाह बताते हुए इसे यहां से हटाये जाने की मांग की है। बदनपुर प्रधान अजय साहू का कहना है कि आज सरिया मौरम सीमेंट ग्रेनाईट सभी कुछ महंगा हो चुका है, बीडीओ पुराने इस्तीमेटों पर काम करवा रहे हैं। उसमें भी कमीशन मांग रहे हैं, और कमीशन ना देने पर भुगतान रुके पड़े हैं।

# मंडलायुक्त ने किया पौधरोपण, कहा- प्रदूषण रोकने और हरियाली बचाने के लिए पौधरोपण बहुत जरूरी

हरदोई । मंगलवार को आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में मण्डलायुक्त लखनऊ मंडल डॉ. रोशन जैकब ने पौधरोपण किया। ब्लाक सण्डीला के ग्राम नारायनपुर में यह कार्यक्रम किया गया। इसके उपरान्त मण्डलायुक्त ने ब्लाक टड़ियावां के जुनियर हाईस्कूल परसेनी बाल वन, ग्राम परसेनी के शक्ति वन में, नगर क्षेत्र में डाकघर के पीछे तालाब के किनारे तथा राजकीय इण्टर कालेज हरदोई के युवा वन में जिलाधिकारी अविनाश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा राना, अपर जिलाधिकारी वन्दना त्रिवेदी, नगर नगर मजिस्ट्रेट सदानन्द गुप्ता, उप जिलाधिकारी सदर दीक्षा जैन, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट स्वाती शुक्ला, डीएफओ आदि अधिकारियों के साथ वृहद वृक्षारोपण किया। राजकीय इण्टर कालेज युवा वन में पौधरोपण के उपरान्त मण्डलायुक्त ने उपस्थित छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा, प्रदूषण की रोकथाम तथा जनपद को हरियाली युक्त बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करें और अपने द्वारा लगाये पौधों की स्वयं देखभाल करें। उन्होंने कहा कि धरती हमारे जीवन को बेहतर बनाने के लिए अनेक उपहार देती है, इसलिए हम सब का दायित्व है कि धरती की सुरक्षा और शुद्व आक्सीजन के लिए वृक्षारोपण करें। इसके बाद मण्डलायुक्त ने नगर पालिका परिषद स्थित कोविड कमांड सेंटर में पौधरोपण की जानकारी देते बनाये गये कंट्रोल कमांड सेंटर जाकर जनपद में हो रहे वृक्षारोपण के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा कमांड सेंटर के प्रांगण में भी पौधरोपण किया।

# तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने ई-रिक्शे में मारी टक्कर, तीन महिलाओं सहित चार लोग गम्भीर रूप से घायल

हमीरपुर । जनपद में राठ कोतवाली क्षेत्र के चरखारी रोड स्थित जगतराज महाविद्यालय के पास तेज रफ्तार एक टैक्टर ने ई रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ई रिक्शा में सवार महिलाओं में चीख–पुकार मच गई। हादसे में ई रिक्शा में सवार तीन महिलाओं के अलावा ई रिक्शा भी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिन्हें मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस के द्वारा इलाज हेतु राठ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।जानकारी के अनुसार राठ कोतवाली क्षेत्र के परा गांव की निवासी कस्तूरी पत्नी बृजलाल अपने परिवार की ही हरेंद्र कुमारी पत्नी मोहर सिंह व गीता के साथ ई–रिक्शा से अपने गांव परा से राठ आ रही थी, तभी रास्ते में राठ कोतवाली क्षेत्र के जगत राज महाविद्यालय के पास तेज रफ्तार एक ट्रैक्टर ने ई–रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे से ई रिक्शा में सवार तीनों महिलाएं गिरकर घायल हो गईं। वहीं हादसे में राठ नगर के चरखारी रोड इलाके का निवासी और ई रिक्शा चालक अल्ताफ भी घायल हो गया। जिन्हें सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस के द्वारा राठ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

# वनों का संरक्षण और संवर्द्धन बहुत आवश्यक है- चिकासी थानाध्यक्ष हेमंत कुमार मिश्र

'हमीरपुर'– वन महोत्सव अंतर्गत जनपद के समस्त थानों पर इस महाअभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया इसी क्रम में चिकासी थाना परिसर में चिकासी थानाध्यक्ष हेमंत कुमार मिश्र, उपनिरीक्षको व कांस्टेबलों के द्वारा वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया गया व जनमानस को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर चिकासी थानाध्यक्ष हेमंत कुमार मिश्र ने कहा कि निसंदेह वन हमारे जीवन के लिए बहुत उपयोगी है, इसलिए वनों का संरक्षण और संवर्द्धन बहुत आवश्यक है! इसके लिए जनता और सरकार का सहयोग अपेक्षित है! उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने वनों के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए समय–समय पर वनों के संरक्षण और विकास के लिए अनेक कदम उठाए है! सन उन्नीस सौ छप्पन ई.में वन महोत्सव का आयोजन किया गया जिसका मुख्य नारा था अधिक वृक्ष लगाओ तभी से यह उत्सव प्रतिवर्ष 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाता है! सन उन्नीस सौ पैसठ ई.मे सरकार ने केंद्रीय वन आयोग की स्थापना की जो वनों से संबंधित आंकड़े और सूचनाएं एकत्रित करके वनों के विकास में लगी हुई संस्थाओं के कार्य में तालमेल बताता है! उन्होंने खेद जताते हुए कहा कि एक ओर तो सरकार वनों के संवर्द्धन के लिए विभिन्न आयोगों और निगमों की स्थापना कर रही है तो दूसरी ओर वह कुछ स्वार्थी तत्वों के द्वारा धन के लाभ की आशा से अमूल्य वनों को नष्ट किया जाता है !

# 'बचरौली गांव जाने वाली पक्की सड़क में तालाब के किनारे जलभराव होने से ग्रामीणों को हो रही परेशानी'

हमीरपुर'– कुरारा विकास खंड क्षेत्र के शेखुपुर गांव में बचरौली गांव जाने वाले पक्की सड़क में तालाब के किनारे जल भराव होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी के निकास की व्यवस्था न होने के कारण हमेशा जल भराव रहता है। क्षेत्र के शेखुपुर गांव में तालाब के किनारे से बचरौली गांव को पक्की सड़क गयी है। इस सड़क पर जल भराव होने के कारण लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पक्की सड़क पर निचले स्थान पर हमेशा पानी भरा रहता है ग्रामीणों ने बताया कि पानी के निकास की ठीक व्यबस्था न होने के कारण जल भराव की समस्या बनती जा रही है। तथा नालियों की सफाई न होने के कारण कचड़ा भर जाने से पानी रास्ते में भर रहा है। वही लोगो को जलभराव से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।